पाठ 16. हृदय परिवर्तन

पाठ का परिचय

यह पाठ अच्छाई की बुराई पर विजय को दर्शाता है। किसी गाँव में दुर्जन नामक किसान रहता था। वह अपने नाम की ही तरह था। न किसी का आदर-सम्मान करता था और न ही किसी से सीधे मुँह बात करता था। गाँव के लोग भी उसके बुरे स्वभाव के कारण उससे दूर रहने लगे थे। उसी गाँव में सुबोध नाम का एक किसान आकर बस गया। सुबोध सीधा और सरल व्यक्ति था। वह सबके साथ प्रेम और नम्रता का व्यवहार करता था। गाँव के लोगों ने उसे दुर्जन के बारे में सचेत किया कि उससे दूर रहे, वह बहुत झगड़ालू है। सुबोध ने हँसकर कहा कि यदि दुर्जन उससे लड़ेगा तो वह उसे मार डालेगा। यह बात किसी ने बढ़ा-चढ़ाकर दुर्जन से कह दी। अब दुर्जन हर समय सुबोध को परेशान करने की बात सोचता रहता। कभी उसके खेत की पानी की नाली तोड़ देता तो कभी उसके खेत में अपने बैल चरने के लिए छोड़ देता। सुबोध ने कभी भी उसके बुरे बर्ताव का बदला बुरे बर्ताव से नहीं लिया। उसने दुर्जन के घर आम भी भिजवाए पर उसने लेने से मना कर दिया। तभी बरसात के दिनों में एक दिन दुर्जन की अनाज से भरी गाड़ी कीचड़ में फँस गई। कोई भी उसकी मदद के लिए नहीं गया। तब सुबोध ने उसकी सहायता की। अंततः सुबोध के अच्छे व्यवहार ने दुर्जन का हृदय परिवर्तित कर दिया। वह भी सरल और विनम्र बन गया।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

हमें अपना व्यवहार सदा सभी के साथ अच्छा रखना चाहिए। अच्छे व्यवहार से बुरा व्यक्ति भी अपनी बुराई छोड़ने के लिए विवश हो जाता है।

पाठ का वाचन

इस कहानी को पूरे हाव-भाव के साथ बच्चों के सामने पढ़ें। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ। जहाँ आवश्यक हो, पंक्तियों का भाव स्पष्ट करें। अब बच्चों से एक-एक परिच्छेद पढ़ने को कहें। बीच-बीच में उनसे प्रश्न भी करते रहें ताकि यह पता चले कि उन्होंने कहानी को ठीक से समझा है या नहीं।

महत्वपूर्ण चर्चा

निम्नलिखित प्रश्न पूछकर कक्षा में चर्चा करें –

- यदि आप सुबोध के स्थान पर होते तो दुर्जन का व्यवहार सही करने के लिए क्या करते?
- हमारे आस-पास कैसे लोग अधिक हैं? सुबोध जैसे या दुर्जन जैसे।
- हमें कैसा बनने की कोशिश करनी चाहिए।